AE-1006

B.A. Private (Part - I)
Term End Examination, 2016-17

HINDI LITERATURE

Paper - I

प्राचीन हिन्दी काव्य

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 7×3

(क) दीपक दीया तेल भरि, बाती दई अघह।
पूरा किया बिसाहूँणाँ, बहुरि न आँवौ हह।
जाका गुर भी अंधला, चेला खरा निरंध।
अंधे अंधा ठेलिया, दून्यूँ कूप पड़ंत।

अथवा

(2)

सायर नाहीं सीप बिन, स्वाति बूंद भी नाहिं।
कबीर मोती नीपजै, सुन्नि सिषर गढ़ माँहि॥
पाँणि ही तै हिम भया, हिम है गया बिलाइ।
जो कुछ था सोई भया, अब कछु कहा न जाइ॥

(ख) नागमति चितउर पंथ हेरा। पिउ जो गये पुनि कीन्ह न फेरा॥
नागरि नारि काहुँ बस परा। तेइ मोर पिउ मो सौं हरा॥
सुआ काल होइ लेगा पीऊ। पिउ नहि लेत लेत बरू जीऊ॥
भएउ नरायन बावन करा। राज करत राजा बलि छरा॥
करन बान लीन्हेउ कै छंदू। विप्र रूप धरि झिलमिल इंदु॥
मानत भोग गोपीचंद भोगी। लेइ उपसवा जलंधर जोगी॥
लेइगा कृस्नहि गरूड़ अलोपी। कठिन बिछोह जियहिं किमि गोपी॥

अथवा

घनआनंद जीवन मूल सुजान की कौंधन हूँ न
कहूँ दरसै।

सुन जानियै धौंकित छाय रहे दृग चातक प्रान
तपे तरसै।

बिन पावस तौ इन ध्यावस हो न, सु क्यौं
करि यौं अब सो परसैं।

बदरा बरसै रितु मै घिरिकै, नित ही अँखियां
उघरी बरसैं।

(ग) जब ते राम ब्याहि घर आए। नित नव मंगल
मोद बधाए॥

भुवन चारि दस भूधर भारी। सुकृत मेघ बर-
सहिं सुख बारि॥

रिधि सिधि संपत्ति नदी सुहाई। उमगि अवध
अंबुधि कहु आई॥

मनिगन पुर नर नारि सुजाती। सुचि अमोल
सुंदर सब भाँति॥

कहि न जाइ कछु नगर विभूति। जनु एतनिअ
बिरंचि करतूती॥

सब विधि सब पुर लोग सुखारी। रामचंद
मुख चंदु निहारी॥

(4)

मुदित मातु सब सखी सहेली। फलित बिलोकि मनोरथ बेली॥

राम रूप सील सुभाऊ। प्रमुदित होइ देखि सुनि राऊ॥

अथवा

नीके रहियो जसुमति मैया।

आवैंगे दिन चारि पाँच में हम हलधर दोऊ भैया॥

जा दिन तें हम तुमतें बिछुरे काहु न कहो कन्हैया॥

कबहुँ प्रात न कियो कलेवा, साँझ न पीन्हों छैया॥

बंसी बेनु संभारी राखियो और अबेर सबेरो॥

मति लै जाय चुराय राधिका कछुक खिलौनो मेरो॥

कहियो जाय नंद बाबा सों निपट निठुर जिय कीन्हों॥

सूर स्याम पहुचाय मधुपुरी बहुरि संदेस न लीन्हो॥

2. 'जायसी का विरह वर्णन हिन्दी साहित्य की एक अनुपम निधि है।' इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए। 8

अथवा

कबीर की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3. सूर के वात्सल्य वर्णन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। 8

अथवा

तुलसी की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए।

4. भक्तिकाल के प्रमुख प्रवृत्तियों को लिखिए। 8

अथवा

घनानंद किस धारा के कवि हैं? रीतिकाल में उनका स्थान निर्धारित कीजिए।

5. निम्नलिखित किन्हीं **तीन** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 12

(क) रसखान का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ख) रामभक्ति शाखा की विशेषताएँ लिखिए।

(ग) विद्यापति के काव्य की विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए।

(घ) रहीम का जीवन परिचय लिखिए।

(ङ) कबीर किन सामाजिक रूढ़ियों और अंधविश्वासों पर प्रहार करते हैं? सोदाहरण समझाइए।

6. किन्हीं **नौ** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 18

(क) कबीर को वाणी का डिक्टेटर किसने कहा?

(ख) जायसी लिखित महाकाव्य का नाम लिखिए।

(ग) सूरदास के गुरु कौन थे?

(घ) तुलसी राम के किस रूप के उपासक थे?

(ङ) अकबर के दरबार के किसी एक दरबारी कवि का नाम लिखिए।

(च) 'पद्मावत' के कथानायक का नाम लिखिए।

(छ) संवत् 1578 से संवत् 1700 तक का समय किस काल के नाम से जाना जाता है?

(ज) किसी एक ज्ञानमार्गी शाखा के कवि का नाम लिखिए।

(झ) सूरदास की काव्यभाषा का नाम लिखिए।

(ञ) रामचरित मानस में कुल कितने कांड हैं ?

(ट) मगहर में किस कवि की मृत्यु हुई ?

(ठ) उत्तर मध्यकाल को और किस नाम से जाना जाता है ?

———